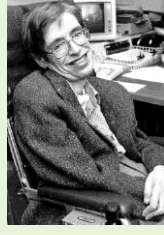


“जहाँ जीवन है, वहाँ
उम्मीद है।”



“कठिनाइयाँ हमें
मजबूत बनाती हैं।”

बहुत समय पहले England में एक बच्चे का जन्म हुआ, जिसका नाम था Stephen Hawking। उनका जन्म 8 जनवरी 1942 को Oxford में हुआ था। बचपन से ही उन्हें नई-नई चीजें जानना और विज्ञान के रहस्य समझना बहुत पसंद था। वे हमेशा आसमान, तारों और ब्रह्मांड के बारे में सोचते रहते थे।

स्कूल में वे बहुत तेज छात्र थे। उन्हें गणित और विज्ञान सबसे ज्यादा अच्छे लगते थे। बड़े होकर उन्होंने ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए पढ़ाई की और वैज्ञानिक बनने का सपना देखा।

लेकिन जब वे केवल 21 साल के थे, तब उनके जीवन में बहुत बड़ी कठिनाई आई। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें एक गंभीर बीमारी है, जिससे धीरे-धीरे उनका शरीर काम करना बंद कर देगा। डॉक्टरों ने कहा कि वे शायद ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाएँगे।

यह सुनकर कोई भी डर जाता, लेकिन Stephen Hawking ने हार नहीं मानी। उनका शरीर कमजोर होता गया। वे चल नहीं सकते थे और बाद में बोल भी नहीं पाते थे। फिर भी उनका दिमाग बहुत तेज था। उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठकर अपनी पढ़ाई और रिसर्च जारी रखी।

उन्होंने ब्रह्मांड, ब्लैक होल और अंतरिक्ष के बारे में कई महत्वपूर्ण खोजें कीं। दुनिया भर के लोग उनकी बुद्धिमानी की प्रशंसा करने लगे। उन्होंने एक प्रसिद्ध किताब भी लिखी — A Brief History of Time, जिसे लाखों लोगों ने पढ़ा।

Stephen Hawking हमेशा कहते थे कि इंसान की सबसे बड़ी ताकत उसका दिमाग और उसका हौसला होता है। शरीर कमजोर हो सकता है, लेकिन सपने और मेहनत कभी कमजोर नहीं होने चाहिए।

प्रेरणादायक विचार

“सितारों की ओर देखो, अपने पैरों की ओर नहीं।”

बच्चों, हमें स्टीफन हॉकिंग जी से यह सीख मिलती है कि चाहे जीवन में कितनी भी परेशानी आए, हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए। मेहनत, हिम्मत और सीखने की इच्छा से इंसान दुनिया बदल सकता है।

“जीवन चाहे कितना भी कठिन लगे, हमेशा कुछ ऐसा होता है जो आप कर सकते हैं।”